INVEST IN A PROMISING

# future...

AMM Greens

Residential Colony Project at
MR 5, Bada Bangarda, Super Corridor, Indore

THE MOST IMPORTANT FACTOR
FOR REALTY INVESTMENT IS

# Location

AMM Greens is a Residential Project located in a strategic location near Symbiosis and Narsi Monjee.

## Where the New Indore is shaping up

# Super Corridor

- 8-lane 225 Ft. wide corridor.
- Fastest growing area of Indore.
- Western Indore to the Eastern Indore connectivity from International Airport road to MR-10 road and Ujjain Highway.
- All rapid developmental changes like Medical Hub, Sports complex, Plots for Schools, Hotels, Malls Inter-State Bus Terminal and New Metro and Railway station coming up in this location.
- Proximity to TCS & Infosys.
- Various commercial and residential projects would create many job opportunities.
- Investing in plots is highly recommended.

# सुपर कॉरिडोर – तेज़ी से विकसित हो रहा, इन्दौर का नया चेहरा

# डेढ़ साल में ये कंपनियां बदल देंगी तस्वीर

**सुपर कॉरिडोर**

**सुपर कॉरिडोर पर आईटी कंपनी टीसीएस और इन्फोसिस के कैंपस आकार लेने लगे हैं तो सिम्बायोसिस, नरसीमुंजी के बाद लॉजिस्टिक हब भी इसी राह पर है। बस, एक या डेढ़ साल का इंतजार। फिर सपने हकीकत में तब्दील हो जाएंगे और निपुण हाथों को मिलेगा सम्मानजनक काम।**

**13.5** किमी की सड़क जो देपालपुर इंदौर रोड से सुखलिया तक विकसित की गई है।

**75** मीटर चौड़ी सड़क जिसके आसपास कॉर्पोरेट ऑफिसेस, सितारा होटल, शॉपिंग मॉल्स आदि का विकास होगा।

**2008** के मास्टर प्लान में सुपर कॉरिडोर का उल्लेख हुआ ताकि एक नया इंदौर बसाया जा सके।

**25** से ज्यादा टाउनशिप कॉरिडोर के आसपास हो रही हैं विकसित।

भास्कर संवाददाता | इंदौर

शहर के विकास में नई इबारत लिख रहा सुपर कॉरिडोर अब विकास के अगले पड़ाव के लिए तैयार है। आईटी कंपनी टीसीएस, इन्फोसिस, ख्यात शैक्षणिक संस्थान सिम्बायोसिस और नरसीमुंजी के बाद अब यहां निजी विकास की संभावनाएं भी बढ़ गई है। इसका बड़ा कारण दोनों आईटी कंपनी का निर्माण नजर आना है। अब यह विकास एयरपोर्ट से होते हुए धार रोड पर बने लॉजिस्टिक हब के साथ आगे बढ़ गया है। यहां अगले एक से डेढ़ साल में कुछ बड़े होटल के प्रोजेक्ट भी मूर्त रूप ले लेंगे जो एयरपोर्ट से पीथमपुर तक बड़े इंडस्ट्रियलिस्ट के लिए एक ठिकाना होंगे।

इसी के साथ कुछ बड़े स्कूल, कॉलेज, रेसीडेंशियल कॉम्प्लेक्स भी आकार ले लेंगे। इसके पीछे निगम, आईडीए द्वारा यहां बिजली सब-स्टेशन के लिए जमीन की मंजूरी देना और पानी, स्टॉर्म वॉटर लाइन के लिए निगम की कवायद शुरू होना है। यशवंत सागर और नर्मदा से संयुक्त रूप से लाइन डालकर यहां तक पानी पहुंचाया जाएगा। शहरी सीमा में 29 गांवों को शामिल कर यहां आने वाले निवेशकों को एक राहत दी है। निगम ने इस क्षेत्र से जुड़े आठ से ज्यादा गांवों के लिए भी अलग से पानी, सीवरेज, ग्रीनरी और सड़कों के विस्तृत सर्वे की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

• एयरपोर्ट और सुपर कॉरिडोर के बीच बने इस कैंपस में आएगा अमेजन का पहला भंडार केंद्र। फोटो- कमलेश ठाकुर

## जमीनी बाधाएं खत्म, रजिस्ट्री फिर शुरू

सुपर कॉरिडोर पर नए भूमि अधिग्रहण अधिनियम के आने से अटकी रजिस्ट्रियों का मामला भी अब खत्म हो गया है। जस्टिस वी.एस. कोकजे की कमेटी द्वारा की गई अनुशंसाओं के बाद आईडीए ने यहां किसानों या जमीन मालिकों को दिया जाने वाला विकसित जमीन का प्रतिशत भी बढ़ा दिया है। खास बात यह भी है कि अब तक आईडीए तो रजिस्ट्री कर रहा था, लेकिन किसानों को जमीन नहीं लौटाई जा रही थी। पिछले दिनों स्कीम 169-ए की ऐसी ही जमीन आईडीए ने किसान के पक्ष में रजिस्ट्री कर लौटाई है। अध्यक्ष शंकर लालवानी के मुताबिक जमीन मालिक सुरेशचंद्र के पक्ष में प्लॉट 77 (कुल एरिया 2690 वर्ग मीटर) की रजिस्ट्री की गई। इसी के साथ कुछ अन्य जमीन मालिकों से भी रजिस्ट्री की प्रक्रिया शुरू होने वाली है। इससे एक से डेढ़ साल से जो विकास रुका हुआ था, वह वापस शुरू हो जाएगा। इसी के साथ आईडीए ने कॉरिडोर की दो स्कीमों में आंतरिक विकास के लिए 77 करोड़ रुपए का टेंडर हाल ही में जारी किया है।

**07** स्कीम है आईडीए की कॉरिडोर पर (151, 139, 169-ए, 169-बी, 166, 170,176)

**अभी ये प्रोजेक्ट ले रहे आकार**

- टीसीएस • इन्फोसिस
- मेडिकल हब की जमीन पर आईटी हब की घोषणा
- सुपर कॉरिडोर का आठ लेन ओवर ब्रिज

**ये हैं प्लानिंग में...**

- सिम्बायोसिस • नरसीमुंजी
- डीएमआईसी • सभी चार प्रमुख चौराहों का विकास
- टैंस वीन एरिया डेवलपमेंट
- 500 एकड़ में प्रस्तावित आवासीय स्कीम 176

## ...इसलिए भी बड़ी कंपनियों का यहां फोकस

देश का मध्य क्षेत्र है हमारा प्रदेश। इंदौर इसमें भी एयर कनेक्टिविटी के हिसाब से आसपास के सभी राज्यों से सीधे जुड़ा है। फिर चाहे गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र हो या यूपी या अन्य प्रदेश। बड़ी कंपनियां इसे सेंटर बनाकर अपना नेटवर्क यहीं से चलाना चाहती हैं। इसी के चलते अभी कई कंपनियां सिर्फ प्रारंभिक रूप से अभी जमीन यहां तलाश रही हैं। धीरे-धीरे यह निवेश और आगे बढ़ेगा।

# सुपर कॉरिडोर – तेज़ी से विकसित हो रहा, इन्दौर का नया चेहरा

**अच्छी खबर :** शुरू हुए काम, आईडीए करेगा 70 करोड़ खर्च

## सुपर कॉरिडोर के दोनों ओर बनेंगी 30 आंतरिक सड़कें



### पहले मुरम की सड़क बनाने वाले थे

### रजिस्ट्री का रास्ता भी साफ

### जारी किए हैं टेंडर

---

सुपर कॉरिडोर | डेढ़ साल में नए इंदौर की दस्तक

## टीसीएस, इन्फोसिस के बाद अमेजन भी शहर में

भास्कर संवाददाता | इंदौर

शहर को पूर्व और पश्चिम से उत्तर की ओर से जोड़ने वाले सुपर कॉरिडोर पर आईटी कंपनी टीसीएस और इन्फोसिस का कैम्पस आकार लेने लगा है। सुपर कॉरिडोर का असर एयरपोर्ट और आसपास के क्षेत्रों तक भी पहुंच गया है। यहां निजी टाउनशिप के अलावा बड़ा लॉजिस्टिक हब भी बन गया है, जहां अमेजन, फ्लिपकार्ट जैसी कंपनियां मध्य भारत का सबसे बड़ा भंडार केंद्र खोलने जा रही हैं। इस बीच सिम्बॉयसिस-नरसीमुंजी के प्रोजेक्ट के लिए भी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। यानी एक-डेढ़ साल में कॉरिडोर पर नया इंदौर आकार ले लेगा।

निवेश के नए हाइवे के रूप में विकसित हो रहे सुपर कॉरिडोर पर निर्माण नजर आने लगे हैं। सिंहस्थ से पहले यहां प्रदेश का सबसे बड़ा और चौड़ा (आठ लेन का) रेलवे ओवरब्रिज तैयार हो जाएगा। नगर निगम और आईडीए ने यहां पानी और बिजली पहुंचाने के लिए दिक्कतें दूर कर दी हैं। आईडीए को दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (डीएमआईसी) का काम भी मिल गया है। इससे भी इस क्षेत्र में नया मार्केट जन्म लेने लगा है।

**डेढ़ साल में ये कंपनियां बदल देंगी तस्वीर -पेज 2**



### यहीं बनेगी आईडीए की स्कीम 172

सुपर कॉरिडोर एयरपोर्ट को जोड़ता है तो एयरपोर्ट से फोर-लेन सड़क सीधे धार रोड को जोड़ती है। खास बात यह है कि आज उद्योगपति एयरपोर्ट से 15-16 मिनट में पीथमपुर पहुंचने लगे हैं। पीथमपुर में अनिल अंबानी के निवेश की आहट से भी क्षेत्र के जमीन मालिक उत्साहित हैं। डीएमआईसी और आईडीए की स्कीम 172 यहां जैसे ही आकार लेगी, वैसी ही यह क्षेत्र बायपास, रिंग रोड, एमआर-10, सुपर कॉरिडोर से धार रोड और पीथमपुर तक तेज गति से दौड़ने लगेगा। फिर इस कॉरिडोर पर होंगे दो बड़े आईटी हब, लॉजिस्टिक हब, मॉल, होटल, बड़े अस्पताल और आलीशान इमारतें। इसका एक बड़ा कारण है 300 मीटर के कॉरिडोर के आसपास विकसित हो रहा निजी टाउनशिप।

# Super Corrior Plan with Landmarks

A PROLIFIC PROJECT

# AMM Greens

AMM Greens

एम ग्रीन्स टाउनशिप को ख़ास बनाती है दो बातें - इसकी लोकेशन और हरियाली.

लोकेशन की बात करें तो एम ग्रीन्स आ रही है इन्दौर के सबसे विशिष्ट स्थान - **सुपर कॉरिडोर पर**. यह टाउनशिप टीसीएस, इंफोसिस, सिंबायोसिस, नर्सी मोंजी एवं स्पोर्ट्स हब से मात्र 1 से 2 कि.मी. की दूरी पर है. यही नहीं, एअरपोर्ट से यह मात्र 4 कि.मी. की दूरी पर है.

इस टाउनशिप का एक और ख़ास आकर्षण होगी इसकी हरियाली. एम ग्रीन्स में होगा पेड़-पौधों से भरपूर स्वच्छ शुद्ध वातावरण, जो यहां स्वस्थ और सुखमय जीवन को साकार करेगा.

इन 2 प्रमुख पहलुओं के साथ जब बेहतरीन प्लानिंग, बढ़िया कंस्ट्रक्शन और लाजवाब सुविधाएं भी जुड़ेंगी तो आकार लेगी एक ऐसी टाउनशिप जो होगी हर मायने में, आपके सपनों का जहान.

## एम ग्रीन्स में आपके लिए है-

**अपार्टमेंट्स**

**रो-हाउसेस**

**प्लॉट्स - 800, 1000, 1100 वर्गफीट**

**सुविधाएं:**

• हरे-भरे बगीचे • क्लब हाउस • स्वीमिंग पूल • इनडोर एक्टिविटिज़ • जिम

• जॉगिंग ट्रेक • ओवरहेड पानी की टंकी • बच्चों के लिए प्ले एरिया • सुरक्षित कैंपस

• हर प्लॉट के लिए पानी की सप्लाई

**प्रोजेक्ट के मुख्य आकर्षण:**

• स्वस्थ और सुखमय जीवन के लिए बनाई जा रही हरी-भरी टाउनशिप
• 150 फीट चौड़े एमआर-5 रोड पर स्थित
• टीसीएस, इंफोसिस (2 कि.मी.), सिंबायोसिस, नर्सी मोंजी व डीएवीवी (1/2 कि.मी.) भी बेहद नज़दीक
• एअरपोर्ट (4 कि.मी.) से 10 मिनट की दूरी पर

**प्रमोटर्स-अनुभवी और क्वालिटी के प्रति प्रतिबद्ध**

रियल इस्टेट के क्षेत्र में एम ग्रीन्स के प्रमोटर्स का बहुत बड़ा नाम है. इन्होंने शहर में अनेक बिल्डिंग्स और कॉलोनी प्रोजेक्ट्स को आकार दिया है. क्वालिटी के प्रति प्रतिबद्धता और अपने ग्राहकों को सदा उत्कृष्ट देने का प्रयास, इन्हें विशिष्ट बनाता है.

# Project Details

- AMM Greens is a residential **TOWNSHIP** with complete infrastructural and commercial development.
- **First Phase:**

  Legal permissions for 11 acre land to develop Plots, Row Houses and Flats.

  **Amenities**:

  Lush green gardens, walking track, kids play zone, indoor games hall, secured boundary wall, temple.
- **Second Phase:**

  Expansion with another 10-20 acres.

  Adding more amenities like Swimming Pool, Club House, Primary School.

# Project Details

- Project located at proposed MR-5 (150 ft. wide road), well connected with public transport as well.
- Project comes in boundary limits of Municipal Corporation, because of which it will get all facilities from local corporation.
- 0.5 km from Symbiosis and Narsee Monjee.
- 2/2.5 kms from Infosys and TCS.

# LOCATION MAP

# Proposed Site Details

# A Location that corporate prefer

Super Corridor

## सुपर कॉरिडोर और सिंहासा में पसंद आई जमीन

# माइक्रोमैक्स खोलेगी मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट

**अभिषेक चेंडके >> इंदौर**

देश की अग्रणी मोबाइल कंपनी माइक्रोमैक्स प्रदेश में निवेश की तैयारी कर रही है। इसके लिए कंपनी के कर्ताधर्ताओं ने शहर में गुरुवार को जमीन देखी है। उन्हें सिंहासा आईटी पार्क और सुपर कॉरिडोर पर जमीन पसंद आई है। 15 एकड़ जमीन पर कंपनी मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट व एडमिनिस्ट्रेशन ऑफिस खोलेगी।

देश की 10 बड़ी मोबाइल निर्माता कंपनियों में से एक माइक्रोमैक्स ने राजस्थान के अलवर और हैदराबाद में 500-500 करोड़ रुपए का निवेश कर यूनिट खोलने का फैसला लिया है। सेंट्रल इंडिया में भी कंपनी लंबे समय से नई यूनिट के लिए प्रयासरत थी। कंपनी की

फाउंडर मेंबर राजेश अग्रवाल ने पीथमपुर सेक्टर में सबसे पहली जमीन देखी, लेकिन उन्हें वह जगह कम पसंद आई। सिंहासा आईडी पार्क की सात एकड़ जमीन को उन्होंने मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट के लिए पसंद किया, जबकि सुपर कॉरिडोर पर मेडिकल हब की जमीन आईडीए सीईओ राकेश सिंह ने उन्हें दिखाई। कंपनी यहां एडमिनिस्ट्रेशन, एचआर व अन्य ऑफिस खोलेगी। माइक्रोमैक्स मोबाइल के अलावा टैबलेट्स एलसीडी, डाटा केबल व इलेक्ट्रॉनिक कंज्यूमर पार्ट्स में भी बड़े पैमाने पर निवेश कर रही है। इससे पहले सरकार पीथमपुर में इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स बनाने वाली कंपनी को जमीन दी चुकी है, जबकि इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद बनाने वाली स्टरलाइट कंपनी ने देपालपुर के पास चिरखान गांव में 180 एकड़ से ज्यादा जमीन पसंद की है। प्रशासन ने वह जमीन आईटी विभाग को हस्तांतरित भी कर दी है। कुछ अन्य कंपनियां भी इंदौर जिले में

### मुख्यमंत्री से भी की मुलाकात

कंपनी के फाउंडर मेंब
अग्रवाल बुधवार को भोपाल
में थे। उन्होंने मुख्यमंत्र
शिवराजसिंह चौहान, उद्योग
विभाग के प्रमुख सचि
मोहम्मद सुलेमान, आईट
सचिव हरिरंजन राव स
मुलाकात की और भोपाल
के समीप बड़वई में जमी
देखी। गुरुवार सुबह वे इंदौ
आए। उन्हें एकेवीएन एमड
कुमार पुरुषोत्तम, आईड
विभाग के वरिष्ठ प्रबंध
द्वारकेश सराफ तीन स्थान
पर जमीन दिखाने ले ग
थे। दोपहर में अग्रवाल फि
भोपाल पहुंचे और निवेश
को लेकर उद्योग सचिव स

# डायस पार्क को 10 के बजाय 5.40 एकड़ जमीन दी जाएगी

## प्रशासन का प्रस्ताव मंजूर कर कमिश्नर ने शासन को भेजा

भास्कर संवाददाता | इंदौर

बड़ा बांगड़दा में आईटी पार्क के लिए डायस पार्क कंपनी को 9.35 एकड़ में से 5.40 एकड़ जमीन दी जाएगी। प्रशासन के संशोधित प्रस्ताव को कमिश्नर ने मंजूरी देते हुए आईटी विभाग को भेज दिया है। इसमें एक लाइन यह भी जोड़ दी है कि कंपनी का प्रोजेक्ट देखने के बाद लगता है कि वह इससे कम एरिया में आईटी पार्क विकसित कर सकती है तो विभाग जमीन और कम कर सकता है। कमिश्नर ने इसकी पुष्टि की है।

इससे पहले प्रशासन के प्रस्ताव पर कमिश्नर संजय दुबे ने दो बार आपत्ति ली थी। कंपनी के प्रोजेक्ट का परीक्षण करने के साथ टीएंडसीपी से भी जमीन के बीच से निकलने वाले रास्ते को लेकर अभिमत लेने के लिए कहा था। टीएंडसीपी से अभिमत लेने और कंपनी के प्रोजेक्ट का परीक्षण करने के बाद प्रशासन और कमिश्नर ने डायस पार्क के लिए 5.40 एकड़ जमीन उचित मानी है। प्रशासन ने प्रस्ताव में लिखा है कि सर्वे नंबर 16 की यह जमीन 9.35 एकड़ की है। 2.65 एकड़ जमीन इसके बीच से गुजरने वाले 30 मीटर चौड़े रास्ते में चली जाएगी। जमीन दो हिस्सों में कट जाएगी। एक हिस्से में 1.30 और दूसरे हिस्से में 5.40 एकड़ जमीन रहेगी। दूसरे हिस्से की जमीन डायस पार्क को दी जा सकती है।

Super Corridor

# Symbiosis marks its footprints &



नए अवसर | बीटेक और बीबीए कोर्स से होगी शुरुआत, अगस्त से छात्र करेंगे पढ़ाई

## सिम्बायोसिस यूनिवर्सिटी में एडमिशन आज से, 10 फीसदी विदेशी छात्र ले सकेंगे प्रवेश

भास्कर संवाददाता | इंदौर

सिम्बायोसिस यूनिवर्सिटी इसी साल इंदौर में अपना कैंपस शुरू कर देगी। पहले सत्र में प्रवेश के लिए 3 जुलाई से प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। छात्र यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर ऑनलाइन फॉर्म जमा कर सकेंगे। शुरुआत बीटेक और बीबीए कोर्स के साथ हो रही है। यूनिवर्सिटी ने इंडस्ट्री की जरूरत के हिसाब से बीटेक और बीबीए में कई स्पेशलाइजेशन ब्रांच तैयार की है। छात्रों को सौ फीसदी प्लेसमेंट भी मिलेगा। यूनिवर्सिटी ने इन कोर्स के लिए देश के टॉप 20 उद्योगों और 12 यूनिवर्सिटी के साथ टाइअप किया है। यहां 10 फीसदी विदेशी छात्र भी एडमिशन ले सकेंगे।

कैंपस में छात्रों को स्थायी ट्रेनिंग देने के लिए रिलायंस कैपिटल, एचडीएफसी, फ्यूचर ग्रुप, महिंद्रा एंड महिंद्रा सहित अन्य ब्रांड अपना ट्रेनिंग सेंटर खोलेंगे। सुपर कॉरिडोर पर यूनिवर्सिटी का कैंपस 30 एकड़ जमीन पर तैयार हो रहा है। एकेडमिक ब्लॉक लगभग बन चुका है। अगस्त में नए सत्र की पढ़ाई शुरू भी हो जाएगी। सिम्बायोसिस फाउंडेशन की वाइस प्रेसिडेंट डॉ. स्वाति मजूमदार का कहना है कि यह देश की पहली स्किल डेवलपमेंट यूनिवर्सिटी होगी।

### इन कोर्स में एडमिशन

- बीटेक इन ऑटोमोबाइल, कंस्ट्रक्शन, मैन्युफैक्चरिंग, आईटी, सीएस (सभी की 60-60 सीटें रहेंगी)। फीस 1 लाख 90 हजार रुपए प्रति वर्ष होगी।
- बीबीए इन रिटेल, बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेस (सभी स्पेशलाइजेशन में 60-60 सीटें रहेंगी)। फीस 1 लाख 80 हजार रुपए प्रति वर्ष होगी।

### प्रवेश कैसे?

ऑपरेशन एंड इंडस्ट्री कोलेबोरेशन डायरेक्टर अभिजात वाकणकर बताते हैं पहले साल प्रवेश मेरिट के आधार पर होगे। अगले साल से प्रवेश परीक्षा के जरिये प्रवेश होगे। इस साल जो भी ऑनलाइन आवेदन आएंगे, उसकी स्क्रूटनी होगी। प्रवेश के लिए छात्र पंचवटी एकता स्थित यूनिवर्सिटी के सेंटर पर मैन्युअली भी प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। यूनिवर्सिटी की डिप्टी डायरेक्टर मेजर सोनाली कदम बताती हैं यह एक मॉडल यूनिवर्सिटी होगी जो हर आधार पर उच्च शिक्षा देगी।

### सभी सुविधाओं से लैस होगा कैंपस

- आधुनिक सुविधाओं के साथ हर कोर्स की लेबोरेटरी तैयार हो रही है। विदेश से उपकरण मंगवाए गए हैं।
- आधुनिक सुविधाओं के साथ होस्टल और ऑडिटोरियम।
- सेंटर फॉर एक्सीलेंस की स्थापना।
- छात्रों की स्पेशल ट्रेनिंग के लिए जर्मनी से मशीनें बुलवाई गई हैं।

### देश-दुनिया की जरूरत के हिसाब से छात्रों को तैयार करेंगे : मजूमदार

भास्कर से खास बातचीत में सिम्बायोसिस फाउंडेशन की वाइस प्रेसिडेंट स्वाति मजूमदार ने कहा यह देश की पहली यूनिवर्सिटी होगी जहां कम्युनिटी कॉलेज शुरू हो रहा है। हम अल्पशिक्षित महिलाओं को बेहद ही कम फीस में खुद का बिजनेस शुरू करने के लिए स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग देंगे। हमारे छात्र भी ऐसी महिलाओं को ट्रेनिंग देंगे। कम फीस में ही कई सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किए जाएंगे। हम अगले साल से फॉर्मा सेक्टर में डिग्री कोर्स शुरू करेंगे। फिलहाल बीटेक और बीबीए के छात्रों के लिए आधुनिक संसाधनों के साथ रिसर्च और लाइव ट्रेनिंग की सुविधा देंगे। इंटरनेशनल मापदंडों के आधार पर नियुक्त ट्रेनिंग स्टाफ यहां छात्रों को पढ़ाएगा। हमने अब तक 120 करोड़ रुपए यूनिवर्सिटी स्थापित करने पर खर्च किए हैं। अभी सौ करोड़ रुपए और खर्च होंगे। 1000 से ज्यादा टीचिंग-नॉन टीचिंग स्टाफ रहेगा। ऑटोमोबाइल, इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में तेजी से जो बदलाव आ रहे हैं, छात्र उसे समझ सकें, इसके लिए छह माह की अवधि से ट्रेनिंग के बजाए हम अलग-अलग इंडस्ट्री के स्थायी ट्रेनिंग सेंटर ही खुलवा रहे हैं। इन सेंटरों पर कंपनियां अपना नियमित काम भी करेंगी और हमारे छात्र पूरे कोर्स के दौरान ट्रेनिंग ले सकेंगे।

आदर्श सड़क के लिए

दीपावली से पहले पूरा करेंगे हिस्सा

श्रीराम

Plaza, Opp. Railway Station, Indore - 452001

# AMM Greens
# Makes some news



# सुपर कॉरिडोर पर तेजी से आकार ले रहे तीन प्रोजेक्ट

टीसीएस, इन्फोसिस, सिम्बायोसिस की प्रगति से उम्मीद बंधी

बदलने लगी शहर के पश्चिम क्षेत्र की तस्वीर

पत्रिका सरोकार

डेवलपमेंट ड्राइव

देश-दुनिया में आईटी क्षेत्र में पहचान बनाने वाली कंपनियों टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (टीसीएस), इन्फोसिस व प्रसिद्ध यूनिवर्सिटी सिम्बायोसिस के शहर में आने का सपना साकार होने लगा है। तीनों ही कंपनियों के कैंपस सुपर कॉरिडोर पर आकार लेने लगे हैं। जिस तेजी से साइट पर काम चल रहा है, उसे देख कहा जा सकता है, निर्धारित समय 2017 में तीनों संस्थान शहर में काम शुरू कर देंगे और शहर को फ्यूचर सिटी की एक नई पहचान मिल सकेगी।

टीसीएस

## नर्मदा ले रही आकार

ऐसा होगा कैंपस

| | | |
|---|---|---|
| 10.87 लाख वर्गफीट में होगा निर्माण | 3.79 वर्गफीट होगा कार्य क्षेत्र | 26 भवन आकार लेंगे |

## झीलों के बीच बन रहे ब्लॉक

इन्फोसिस

ऐसा होगा कैंपस

4 हाईराइज ब्लॉक बनेंगे

7 लाख वर्गफीट का निर्माण पहले चरण में

फूड कोर्ट, प्रशासनिक व सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट ब्लॉक अलग-अलग होंगे

## तीनों ब्लॉक का काम एक साथ

सिम्बायोसिस

ऐसा होगा कैंपस

20 एकड़ में शैक्षणिक, प्रशासनिक और आवासीय ब्लॉक बनेंगे

05 एकड़ में इंडस्ट्रीयल पार्क, ट्रस्ट व वर्क स्टेशन आकार ले रहा है

# ONSET OF IT WILL CREATE FRESH JOB OPPORTUNITIES



# टीसीएस में मप्र के 40 हजार कर्मचारी, 15 हजार आना चाहते हैं इंदौर

## कंपनी ने पूछा तो आधे कर्मचारियों ने जताई 'घर' आने की इच्छा

संजय गुप्ता | इंदौर

देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विस (टीसीएस) के इंदौर प्रोजेक्ट पर सभी की नजर है, लेकिन इसका सबसे ज्यादा इंतजार इस कंपनी में ही काम करने वाले प्रदेश और इंदौर के युवाओं को है। इंदौर प्रोजेक्ट में कंपनी 15 हजार लोगों को रोजगार देगी। कंपनी ने इस प्रोजेक्ट के लिए कर्मचारियों की इच्छा पूछी तो करीब सात हजार युवाओं ने एचआर को प्रोजेक्ट बनते ही इंदौर ट्रांसफर करने की मांग कर दी है। वहीं कंपनी के समय-समय पर होने वाले गेट टु गेदर में प्रदेश के 15 हजार से ज्यादा युवाओं ने इंदौर आने की इच्छा जताई है।

टीसीएस में फिलहाल कुल 3.35 लाख कर्मचारी हैं। इसमें मप्र के करीब 40 हजार कर्मचारी हैं, जिसमें इंदौर शहर के करीब 20 हजार लोग शामिल हैं। कंपनी के लिए प्लेसमेंट करने वाले इंदौर के प्लेसमेंट अधिकारियों और टीसीएस में काम करने वाले कुछ लोगों ने बताया कि मेट्रो शहर में काम करने से निश्चित ही करियर के लिए अधिक अवसर रहते हैं, लेकिन तनाव, भागदौड़ की जिंदगी से निकलकर अपने लोगों के बीच अपने शहर और प्रदेश के लिए काम करने का मोह अधिक है, इसलिए वह इंदौर लौटना चाहते हैं।

### इसलिए आना चाहते हैं इंदौर कैम्पस में

- मेट्रो शहर में खर्च अधिक होने से बचत काफी कम रह जाती है, इंदौर में अपना घर होने से बचत अधिक होगी।
- शहर और प्रदेश के लिए काम करने का मोह।
- मेट्रो शहर की भागदौड़ और तनाव से मुक्ति।
- शहर में कई बड़ी आईटी कंपनियों के आने से करियर के लिए बेहतर अवसर की संभावना।

### टीसीएस का इंदौर प्रोजेक्ट

- सुपर कॉरिडोर पर कंपनी सौ एकड़ में अपना प्रोजेक्ट ला रही है। कंपनी ने निर्माण काम भी शुरू कर दिया है।
- 500 करोड़ लागत वाले प्रोजेक्ट में 15 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा।
- पहला चरण 2016 में ही शुरू होना था, लेकिन काम में देरी के चलते एक साल और लगने की संभावना है। कंपनी तीन चरणों में प्रोजेक्ट पूरा करेगी।

### कंपनी यहां से हर साल एक हजार को दे रही प्लेसमेंट

टीसीएस करीब 15 साल से प्रदेश में प्लेसमेंट कार्यक्रम कर रही है। आईईटी के प्लेसमेंट अधिकारी गोविंद माहेश्वरी ने बताया कि कंपनी इंदौर से हर साल औसतन एक हजार छात्रों को कैंपस प्लेसमेंट दे रही है, वहीं प्रदेश से संख्या करीब दो हजार है।

कंपनी में प्लेसमेंट पाने वाले छात्र बताते हैं कि करीब सात हजार युवा कंपनी से इंदौर भेजने का आवेदन दे चुके हैं। प्रोजेक्ट पूरा होते ही संख्या काफी अधिक होगी, क्योंकि इंदौर का व्यक्ति यहां से मोह नहीं छोड़ता है।
- इम्तियाज़ खान, प्लेसमेंट अधिकारी आईआईपीएस, देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी

कंपनी में दक्षिणी राज्यों और महाराष्ट्र के छात्रों के बाद प्रदेश के ही ज्यादा छात्रों को प्लेसमेंट हो रहा है। जिस तरह से इंफोसिस व अन्य बड़ी कंपनियां आ रही हैं, इससे युवाओं को पता है इंदौर में उनके बेहतर अवसर हैं।
- अवनीश व्यास, प्लेसमेंट अधिकारी [illegible]

Super Corridor

# Why should you invest in AMM Greens

- Strategically located at the most happening location of Indore: Super Corridor.
- Connectivity on all ends: Main City, International Airport & Bypass.
- Offering an array of realty products: Row Houses, Apartments, Plots (800, 1000, 1100 sq.ft.)
- Proximity to Education Hub & IT Companies.
- With increased job opportunities, occupancy rate will be highest.
- Highest possibility of getting big returns on investments.

Super Corridor

**सुपर कॉरिडोर** | डेढ़ साल में नए इंदौर की दस्तक

# टीसीएस, इन्फोसिस के बाद अमेजन भी शहर में

भास्कर संवाददाता | इंदौर

शहर को पूर्व और पश्चिम से उत्तर की ओर से जोड़ने वाले सुपर कॉरिडोर पर आईटी कंपनी टीसीएस और इन्फोसिस का कैम्पस आकार लेने लगा है। सुपर कॉरिडोर का असर एयरपोर्ट और आसपास के क्षेत्रों तक भी पहुंच गया है। यहां निजी टाउनशिप के अलावा बड़ा लॉजिस्टिक हब भी बन गया है, जहां अमेजन, फ्लिपकार्ट जैसी कंपनियां मध्य भारत का सबसे बड़ा भंडार केंद्र खोलने जा रही हैं। इस बीच सिम्बॉयसिस-नरसीमुंजी के प्रोजेक्ट के लिए भी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। यानी एक-डेढ़ साल में कॉरिडोर पर नया इंदौर आकार ले लेगा।

निवेश के नए हाईवे के रूप में विकसित हो रहे सुपर कॉरिडोर पर निर्माण नजर आने लगे हैं। सिंहस्थ से पहले यहां प्रदेश का सबसे बड़ा और चौड़ा (आठ लेन का) रेलवे ओवरब्रिज तैयार हो जाएगा। नगर निगम और आईडीए ने यहां पानी और बिजली पहुंचाने के लिए दिक्कतें दूर कर दी हैं। आईडीए को दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (डीएमआईसी) का काम भी मिल गया है। इससे भी इस क्षेत्र में नया मार्केट जन्म लेने लगा है।

डेढ़ साल में ये कंपनियां बदल देंगी तस्वीर -पेज 2



### यहीं बनेगी आईडीए की स्कीम 172

सुपर कॉरिडोर एयरपोर्ट को जोड़ता है तो एयरपोर्ट से फोर-लेन सड़क सीधे धार रोड को जोड़ती है। खास बात यह है कि अब ओमपुरी एयरपोर्ट से 15-16 मिनट में पीथमपुर पहुंचने लगे हैं। पीथमपुर में अनिल अंबानी के निवेश की आहट से भी क्षेत्र के जमीन मालिक उत्साहित हैं। डीएमआईसी और आईडीए की स्कीम 172 यहां जैसे ही आकार लेगी, वैसे ही यह क्षेत्र बायपास, रिंग रोड, एमआर-10, सुपर कॉरिडोर से धार रोड और पीथमपुर तक तेज गति से दौड़ने लगेगा। फिर इस कॉरिडोर पर होंगे दो बड़े आईटी हब, लॉजिस्टिक हब, मॉल, होटल, बड़े अस्पताल और आलीशान इमारतें। इसका एक बड़ा कारण है 300 मीटर के कॉरिडोर के आसपास विकसित हो रहे निजी टाउनशिप।

INVEST IN A PROMISING

# future..

**AMM Greens**

Residential Colony Project at
MR 5, Bada Bangarda, Super Corridor, Indore

**अच्छी खबर** : शुरू हुए काम, आईडीए करेगा 70 करोड़ खर्च

# सुपर कॉरिडोर के दोनों ओर बनेंगी 30 आंतरिक सड़कें



पहले गुरुम की सड़क बनाने वाले थे

रजिस्ट्री का रास्ता भी साफ

जारी किए हैं टेंडर

# डेढ़ साल में ये कंपनियां बदल देंगी तस्वीर

**सुपर कॉरिडोर**

सुपर कॉरिडोर पर आईटी कंपनी टीसीएस और इन्फोसिस के कैंपस आकार लेने लगे हैं तो सिम्बायोसिस, नरसीमुंजी के बाद लॉजिस्टिक हब भी इसी राह पर है। बस, एक या डेढ़ साल का इंतजार। फिर सपने हकीकत में तब्दील हो जाएंगे और निपुण हाथों को मिलेगा सम्मानजनक काम।

13.5

75

2008

25



जमीनी बाधाएं खत्म, रजिस्ट्री फिर शुरू

07

...इसलिए भी बड़ी कंपनियों का यहां फोकस

अभी ये प्रोजेक्ट ले रहे आकार

ये है प्लानिंग में...

# *Invest with us*

Developer:

## AMM Realties

**Administrative Office:**
102, Morya heritage,
10/5 New Palasia, Indore
**Registered Office:** UG-4, Vidyapati,
Race Course Road, Indore

For booking, call:
0091 98265 74440,
0091 932 4141986,
0091 94253 12602
Email: ammgreens@gmail.com

SHABD CREATIVES # 0731-4003021